>

Title: Need to include Piparhawa (Kapilvastu), a pilgrims place in district Siddharthnagar, Uttar Pradesh, in the World Heritage list.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, गौतम बुद्ध की जन्मस्थली पिपरहवा (कपिलवस्तु) जनपद सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश में दुनिया के बौद्ध धर्म के मानने वाले प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में आते हैं। क्योंकि यहां उनके आस्था एवं विश्वास का केन्द्र बौद्ध की जन्मस्थली है। उक्त स्थल की ऐतिहासिकता एवं वास्तविकता भारत सरकार के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग एवं कोलकाता विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की संयुक्त खुदाई में मिले भग्नावशेष से सिद्ध हो गया है कि छठी शताब्दी में गौतमबुद्ध का जन्म राजा शुद्धोधन की राजधानी शाक्य के कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में हुआ था। लेकिन अभी तक उक्त स्थल का सम्यक विकास न होने के कारण वहां आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को काफी निराशा होती है जबकि उसे विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। भारत सरकार को पिपरहवा कपिलवस्तु को वर्ल्ड हेरीटेज की सूची में शामिल कराने का प्रयास करना चाहिए।

-

-

-

-